Title: Need to set up a commission on 1984 anti-Sikh riots to enquire the guilty persons involved in it.

श्री ज़ोरा सिंह मान (फिरोज़पुर) : उपाध्यक्ष महोदय, कुछ दिन पहले गृह मंत्री जी ने दूसरे सदन में यह घोषणा की थी कि सरकार सभी राजनैतिक दलों की सहमति से १९८४ के दंगों के लिए एक और कमीशन गठित करने को तैयार है। इसमें आम सहमति की बात इसलिए कही गई क्योंकि सरकार यह नहीं चाहती कि उस पर अपने राजनैतिक विरोधियों को परेशान करने का आरोप लगे। इस बारे में मैं कहना चाहता हूं कि हमारी पार्टी की हमेशा से यह विचारधारा रही है कि इन दंगों के कत्लेआम में शामिल दोषियों को सजा मिले। आज इन कत्लेआमों के १५ वर्ष बाद एक और कमीशन बैठाने की जरूरत इसलिए पड़ रही है,

क्योंकि दंगों में शामिल हजारों लोग जो दंगों के लिए जिम्मेदार हैं, आजाद घूम रहे हैं। कुछ दिन पहले कांग्रेसी सदस्य बराड़ साहब ने भी इस कमीशन की मांग की थी। मैं भी इसका समर्थन करता हूं। मैं नहीं समझता कि इसके बाद कोई भी राजनैतिक पार्टी इसका विरोध करेगी। इसके साथ-साथ मैं एक बात और कहना चाहूंगा। माननीय उपाध्यक्ष जी, उस कत्लेआम को १५ साल हो चुके हैं और इन १५ सालों में १२ साल केन्द्र में कांग्रेस की सरकार रही थी। इन दंगों में शामिल लोग सरकार में मंत्री भी रहे और राजनैतिक पार्टी के औहदों पर भी रहे। इसलिए दोषियों को सजा नहीं मिल पाई। इसलिए मेरी सरकार से गुजारिश है कि इस कमीशन का शीघ्र गठन किया जाए और इसको एक निश्चित समय में रिपोर्ट देने के लिए कहा जाए ताकि दोषियों को कानून के हिसाब से सजा मिल सके और सिखों को न्याय मिल सके।